26/07/2023

 मौलाना आज़ाद नेशनल फ़ेलोशिप बंद करने का सिख छात्रों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा: सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी

राज्यसभा सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी ने उच्च शिक्षा के लिए मौलाना आज़ाद नेशनल फ़ेलोशिप बंद से सिख छात्रों के लाभ से वंचित होने का मुद्दा संसद में उठाया।

श्री साहनी ने कहा कि मौलाना आज़ाद नेशनल फ़ेलोशिप देश भर में छह अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों (सिख, मुस्लिम, जैन, बौद्ध, ईसाई, पारसी) को उनके सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक सशक्तिकरण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती थी।  सरकार ने इस साल सामान्य वर्ग के लिए यूजीसी और सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, एससी, एसटी और ओबीसी छात्रों के लिए जनजातीय मामलों के मंत्रालय द्वारा दी जाने वाली अन्य योजनाओं का हवाला देते हुए बिना किसी अध्ययन/रिपोर्ट आदि के फेलोशिप बंद कर दी ।

श्री साहनी ने कहा कि सिख एससी, एसटी और ओबीसी के अंतर्गत नहीं आते हैं इसलिए वे अल्पसंख्यक मंत्री द्वारा संसद में दिए गए जवाब में उल्लिखित किसी भी योजना का विशेष लाभ नहीं ले पाएंगे।  यह बिल्कुल स्पष्ट है की इस सब में जो समुदाय शोध अध्ययन के लिए वित्तीय सहायता से वंचित होगा वह सिख होगा जो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

श्री साहनी ने यह भी कहा कि देश भर के हजारों छात्रों और पंजाब के सैकड़ों छात्रों को इस फेलोशिप योजना के तहत पीएचडी तथा एमफिल की पढ़ाई करने हेतु सालाना औसतन 3.5 लाख रुपये से अधिक मिलते थे ।  “किसी भी देश के समावेशी और समग्र विकास के लिए शोध अध्ययन बहुत महत्वपूर्ण और आवश्यक हैं;  ऐसे कदम छात्रों को इसे आगे बढ़ाने से हतोत्साहित करेंगे और अंततः इसका पूरे देश पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।''  श्री साहनी ने आगे कहा ।

इसके साथ ही संसद में अपने बयान में श्री. साहनी ने संसद को बिना किसी रुकावट के ठीक से चलाने के लिए राज्यसभा के प्रबुद्ध सदन में मणिपुर हिंसा पर विचार-विमर्श की भी मांग की।

